

ओमान में हिंदी शिक्षण : आपकी सहायता चाहिए

ओमान में हिन्दी भाषियों को हिन्दी पढ़ाने ही नहीं दिया जा रहा है और हिन्दी विकास के लिए बने मंत्रालय – संस्थाएं पिछले सत्तर सालों से लाखों रुपये डकार कर केवल कविता गायन और तालियाँ बजाने के ही काम में लगे हैं। हिन्दी विरोधी घुसपैठ करते जा रहे हैं।

उदाहरणार्थ सीबीएसई सम्बद्ध इंडियन स्कूल निजवा (ओमान) में 2015 में मेरे ज्वाइन करने के बाद 7 हिन्दी शिक्षक – शिक्षिकाएँ थीं — डॉक्टर अशोक कुमार तिवारी हिन्दी विभागाध्यक्ष, सुनंदा तिवारी , शोभा मैम , हिना आलम, प्रियदर्शिनी मैम, प्रमोद तिवारी, रूना फातिमा (रूना फातिमा के अतिरिक्त सभी गैर मलयाली थे — आज केवल रूना फातिमा एकमात्र हिन्दी शिक्षिका ISN में बची हैं, बाकी सभी को षडयंत्र करके हटा दिया गया है।

स्कूल के 53 शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा हिन्दी पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता के लिखित निवेदन पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है , “ छात्र-छात्राओं व माता-पिता के सीबीएसई स्कूल में अच्छे शिक्षक से हिन्दी पढ़ने के मूल अधिकारों को हिन्दी विरोधी प्रिंसिपल जॉन डोमनिक द्वारा कुचला जा रहा है ”। मैथ-साइन्स टीचर्स से हिन्दी पढ़वाकर स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

आप सभी हिन्दी और भारतीय संस्कृति के संरक्षण – संवर्धन के लिए आवाज उठाइए :—

विस्तृत विवरण के लिए वाट्स अप नंबर — +919428075674 पर संपर्क कर सकते हैं।

डॉ. अशोक कुमार तिवारी

dr.ashokkumartiwari@gmail.com

साभार-वैश्विक हिंदी सम्मेलन

vaishwikhindisammelan@gmail.com से